Punjab Kesari Date 12.09.2023

जी-20 के सफल आयोजन के बाद प्रसन्न मुद्रा में पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के साथ शिखर सम्मेलन की सुरक्षा में दिन-रात जुटे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी।

महिला अधिकारियों व महिला जवानों में भी दिखाई अपनी ताकत, मेहमानों की सुरक्षा में तैनात था महिला कमांडो दस्ता

दिल्ली पुलिस की एक साल की कड़ी मेहनत से सफल हुआ जी-20 सम्मेलन

सतेन्द्र त्रिपाठी/वसीम सैफी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के बाद हर तरफ जश्न का माहौल है। लेकिन दिल्ली में होने वाला अंतरराष्ट्रीय स्तर का यह आयोजन इतना आसान नहीं था। इसके पीछे दिल्ली पुलिस की पूरे एक साल की कड़ी मेहनत छिपी हुई है। जी-20 देशों के ताकतवर लोगों इस सम्मेलन में शामिल हो रहे थे। भारत अध्यक्ष देश होने के चलते सीधे तौर पर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस के कंधों पर थी। अंत में जी-20 के सफल आयोजन के साथ दिल्ली पुलिस ने दुनिया को दिखा दिया कि वह विश्व स्तरीय आयोजन के लिए भी कितनी सक्षम है।

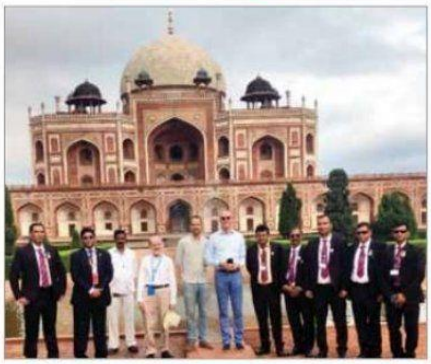



365 दिन में 200 से अधिक बैठकें

डीसीपी एवं दिल्ली पुलिस पीआरओ सुमन नलवा ने बताया कि पिछले साल जब भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिली, तभी सितंबर 2022 से दिल्ली पुलिस इसकी तैयारी में जुट गई थी। पुलिस हेडक्वार्टर स्तर पर एक जी-20 सेल का गठन किया गया। इसके नीचे सभी 15 जिलों में भी जी-20 सेल गठित की गई। स्पेशल सीपी आरएस कृष्णैया इस सेल की कमान संभाल रहे थे। पुलिस सूत्रों की मानें तो 365 दिनों में दिल्ली पुलिस की 200 से अधिक बैठकें हुईं। पुलिस ने इस दौरान लगभग 20 मॉक ड्रिल की और लगभग 25 बार रिहर्सल की, ताकि कहीं भी कोई चूक न रह जाए।

10 स्पेशल सीपी ने संभाली कमान...

जी-20 की कमान दिल्ली पुलिस के दस स्पेशल सीपी के कंधों पर थी। जो हर एक चीज को बहुत ही बारीकी से देख रहे थे। इन दस ऑफिसरों में स्पेशल सीपी आर एस कृष्णैया, मधुप तिवारी, एसके गौतम, दीपेंद्र पाठक, सागर प्रीत हुड्डा, एस एस यादव, एचजीएस धालीवाल, रविंद्र सिंह यादव, आरपी उपाध्याय, सतीश गोलछा के नाम शामिल हैं। स्पेशल सीपी ट्रैफिक एसएस यादव बीमार होने के बावजूद एक दिन भी रेस्ट नहीं लिया और ड्यूटी पर डटे रहे।


आर एस कृष्णैया


सतीश गोलछा


आरपी उपाध्याय


दीपेंद्र पाठक


मधुप तिवारी


सागर प्रीत हुड्डा


एस एस यादव


एचजीएस धालीवाल

मैन इन ब्लू, छाई दिल्ली पुलिस...

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान जब दिल्ली पुलिस के जवान आईटीपीओ में मोर्चा संभालने उतरे तो पहली बार दिल्ली पुलिस का अलग रूप देखने को मिला। नेवी ब्लू सफारी सूट में तैनात दिल्ली पुलिस के जवान और ऑफिसर किसी विश्व स्तरीय पुलिस से कम नहीं थे। पीआरओ सुमन नलवा ने बताया कि इस ड्रेस कोड का आईडिया स्पेशल सीपी आर एस कृष्णैया के नेतृत्व में हुई एक बैठक में लिया गया था। दरअसल दिल्ली पुलिस देश की सबसे स्मार्ट पुलिस है। मगर अब दिल्ली पुलिस का काम दुनिया देखने वाली थी। इसलिए और बेहतर दिखने और करने के लिए यह निर्णय लिया।

37 हजार जवान और 14 घुड़सवार टीम भी तैनात

जी-20 की सुरक्षा में दिल्ली पुलिस के 37 हजार जवानों को तैनात किया गया था। इसके अलावा घुड़सवार पुलिस दस्ते की 14 टीमें अलग-अलग जगह तैनात की गई थी। दिल्ली पुलिस के दो स्नीफर डॉग्स टीम भी तैनात रहीं। सुरक्षा में पीसीआर की 475 गाड़ियों को तैनात किया गया। इसमें 110 क्यूआरटी गाड़ियां थी।

बाहरी राज्यों में तैनात आईपीएस के कंधों पर भी थी अहम जिम्मेदारी

सुरक्षित आयोजन के पीछे दिल्ली पुलिस के वे पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं जिन्हें विशेष तौर पर बाहरी राज्यों में पोस्टिंग होने के बावजूद भी बुलाया गया था। इन पुलिस अधिकारियों में आईपीएस भीष्म सिंह, राजेन्द्र प्रसाद मीणा, संजीव कुमार यादव, अमित रॉय, गीतांजलि खंडेलवाल, मंजीत, सचिन कुमार सिंघल, अक्षत कौशल और दिव्य शामिल रहे।

बीएस जायसवाल ने भी संभाली कमान

जी-20 में वेन्यू डिप्टी कमांडेंट की कमान तेज तर्रार ऑफिसर ज्वाइंट सीपी ऑपरेशन एवं लाइसेंसिंग बीएस जायसवाल को सौंपी गई थी। एक महीने पहले ही उन्होंने पूरी तरह से कमान संभाल ली थी। आखिर के चार दिन तो उन्होंने दिन रात कड़ी मेहनत की। नौ और दस दिसंबर दो दिन बिना सोए लगातार काम किया। ड्यूटी खत्म होने के बाद उनका स्टाफ चेंज हो जाता था, मगर वह ड्यूटी पर ही रहते। सीसीटीवी से कनेक्ट कंट्रोल रूम से वह वेन्यू


बीएस जायसवाल

दिल्ली पुलिस की महिला शक्ति

जी-20 के दौरान दिल्ली पुलिस की महिला शक्ति भी देखने को मिली। अकेले आईटीपीओ पर चार महिला डीसीपी को कमान सौंपी गई थी। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कमान सुमन नलवा के पास थी। वह जोन-चार की हेड थीं। इसके अलावा मीडिया सेंटर होल नम्बर पांच की जिम्मेदारी भी उन्हीं के कंधों पर थी। भारतीय मीडिया के साथ इंटरनेशनल मीडिया को उन्होंने काफी अच्छे से हैंडल किया। जब पीएम नरेंद्र मोदी मीडिया से मिलने



मधुर व चिन्यम को दी विशेष जिम्मेदारी

एसीबी चीफ ज्वाइंट सीपी मधुर वर्मा को भी जी-20 के लिए विशेष तौर बुलाया गया और उन्हें भी अहम जिम्मेदारी सौंपी गई। वह राजघाट पर डेलीगेट्स की सिक्योरिटी को पुख्ता करने के लिए मोर्चा संभालते हुए नजर आए। वेस्टर्न रेंज के एडिशनल सीपी चिन्यम बिस्वाल ने भी जी-20 में मुस्तैदी से स्टाफ





Punjab Kesari Date 12.09.2023

एलजी ने अधिकारियों का किया अभिनंदन सीपी ने पुलिस के जवानों को दी बधाई

पुलिस मुख्यालय में सीपी ने केक काटकर जी-20 के सफल आयोजन पर मनाया जश्न

मनीष राणा



नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): जी-20 शिखर सम्मेलन का सफलता पूर्व शांति के साथ समापन हो गया। दिल्ली में आयोजित होने वाला यह अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम दिल्ली पुलिस के लिए बड़ी चुनौती था, जिसे दिल्ली पुलिस ने हाथों हाथ लिया गया और आखिर में सफलता भी हासिल की। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने इस सम्मेलन के शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न पर पुलिस अफसरों और दिनरात इस इवेंट को सफल बनाने में जुटे सभी पुलिसकर्मियों को शाबासी देते हुए बधाई दी है। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय में सीपी ने केक काटकर स्टाफ के साथ जी20 के सफल आयोजन के बाद जश्न मनाया। साथ ही उन्होंने जिले के डीसीपी से स्टाफ को धीरे-धीरे कर दो दिन की छुट्टी देने के आदेश के अलावा स्टाफ को एक दिन डिनर पर बुलाने की बात भी कही।

जी-20 के दौरान सबसे ज्यादा जिम्मेदारी पुलिस के कंधों पर थीं। जिस तरह से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारी की थी, उससे यह तो साफ था कि आंतकी हमला बिल्कुल भी आसान नहीं। लेकिन डर इस बात का था कि सम्मेलन के दौरान किसी तरह का धरना प्रदर्शन या शरारती तत्व कुछ ऐसा न कर दें जिससे अंतरराष्ट्रीय

आए। वहीं जी-20 के सफल आयोजन के लिए दिल्ली पुलिस ने एड़ी चोटी का जोर लगाया हुआ था। पुलिस ने सुरक्षा में कहीं भी कोई लूप प्वाइंट नहीं छोड़ा, हालांकि इस दौरान दिल्ली पुलिस को फर्जी कॉल्स ने खूब परेशान किया। जी-20 की तैयारियों के बीच एक सितंबर से दस सितंबर के दौरान दिल्ली पुलिस लगातार हॉक्स कॉल के पीछे भागती रही।

दिल्ली पुलिस पीआरओ सुमन नलवा ने बताया इस अवधि के दौचार कुल 39 हॉक्स कॉल मिलीं। जिसमें सबसे ज्यादा 21 ड्रॉन उड़ने की और 11 गुब्बारे या पंतग उड़ने की थीं। इसके अलावा चार कॉल बम या संदिग्ध चीज होने और दो आपतिजनक झंडे और एक कॉल आंतकी हमले से जुड़ी थी। पुलिस ने इन सभी कॉल्स को बेहद गंभीरता से लिया और मौके पर पहुंचकर पूरी जांच पड़ताल की। बाद में इन कॉल्स को

राज निवास में पुलिस अधिकारियों का सम्मान

दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने जी-20 शिखर सम्मेलन में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व अन्य सिविक एजेंसियों के अधिकारियों को राज निवास बुलाकर सम्मानित किया। स्पेशल सीपी आर एस कृष्णैया ने जी-20 सेल को लीड किया। वहीं स्पेशल सीपी (ट्रैफिक) एसएस यादव ने दिल्ली में यातायात व्यवस्था को बखूबी कंट्रोल किया। जी-20 के दौरान बीमार होने के बावजूद उन्होंने एक पल आराम नहीं किया और ड्यूटी पर डटे रहे। एलजी ने एसएस यादव व अन्य अधिकारियों को जी-20 का पटका पहनाकर उन्हें सम्मानित किया।